



# झारखण्ड गजट

## असाधारण अंक

### झारखण्ड सरकार द्वारा प्रकाशित

---

संख्या- 347      राँची, मंगलवार,      2 ज्येष्ठ, 1938 (श०)  
23 मई, 2017 (ई०)

---

कार्मिक, प्रशासनिक सुधार तथा राजभाषा विभाग

-----  
आदेश

8 मार्च, 2017 ई०।

संख्या-5/आरोप-1-12/2017 का.-2046-- श्री चंदन प्रसाद, झा०प्र०से० (चतुर्थ बैच, गृह जिला-पूर्वी सिंहभूम), के अंचल अधिकारी, कोलेबिरा, सिमडेगा के पद पर पदस्थापन अवधि में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो, राँची के पत्रांक-908-अनु०, दिनांक 23 जनवरी, 2017 द्वारा प्राप्त प्रतिवेदन के अनुसार परिवादी सहजाद हसन, कोलेबीरा, सिमडेगा के आवेदन के सत्यापन उपरांत भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो, विशेष कोषांग, राँची थाना कांड सं०-04/2017, दिनांक 19 जनवरी, 2017, धारा-7/13(2) भ्रष्टाचार निरोधक अधिनियम के तहत दर्ज किया गया तथा दिनांक 20 जनवरी, 2017 को भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के टीम द्वारा श्री चंदन प्रसाद, अंचल अधिकारी, कोलेबीरा अंचल, सिमडेगा को श्री हसन से 20,000/- रुपया घूस लेते हुए गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा जाने के आलोक में झारखण्ड सरकारी सेवक (वर्गीकरण, नियंत्रण

एवं अपील) नियमावली, 2016 के नियम-9(2)(क) के तहत न्यायिक हिरासत में लिये जाने की तिथि 20 जनवरी, 2017 से अगले आदेश तक निलंबित किया गया है ।

2. श्री प्रसाद द्वारा यह सूचित किया गया है कि Vigilance Case 05/2017 में दिनांक 7 फरवरी, 2017 को पारित न्यायादेश के आलोक में उन्हें दिनांक 9 फरवरी, 2017 को न्यायिक अभिरक्षा से मुक्त किया गया है तथा उनके द्वारा दिनांक 13 फरवरी, 2017 को योगदान समर्पित किया गया है ।

3. अतः समीक्षोपरांत न्यायिक हिरासत से मुक्त होने के उपरांत श्री चन्दन प्रसाद, झां०प्र०से० (चतुर्थ बैच), सम्प्रति निलंबित को झारखण्ड सरकारी सेवक (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियमावली, 2016 के नियम-9(3) (i) के तहत मानित निलंबनावधि समाप्त समझते हुए उनके योगदान की तिथि दिनांक 13 फरवरी, 2017 से योगदान स्वीकृत किया जाता है ।

4. आरोप की प्रकृति गंभीर होने के कारण झारखण्ड सरकारी सेवक (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियमावली, 2016 के नियम-9(1)(क) और (ग) के तहत योगदान स्वीकृति की तिथि दिनांक 13 फरवरी, 2017 के प्रभाव से अगले आदेश तक पुनः निलंबित किया जाता है ।

5. निलंबन अवधि में इनका मुख्यालय प्रमंडलीय आयुक्त का कार्यालय, द०छो० प्रमंडल, राँची निर्धारित किया जाता है, जहाँ वे प्रतिदिन बायोमैट्रिक उपस्थिति प्रणाली के अन्तर्गत उपस्थिति दर्ज करेंगे तथा उपस्थिति के आधार पर ही इन्हें झारखण्ड सेवा संहिता के नियम-96 के तहत जीवन निर्वाह भत्ता देय होगा ।

झारखण्ड राज्यपाल के आदेश से,

**सूर्य प्रकाश,**  
सरकार के संयुक्त सचिव।

-----